संख्या:-390/एक-10-2026

प्रेषक,

कुलदीप सिंह,

उप सचिव,

उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी,

उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण,

उ0प्र0, लखनऊ।

राजस्व अनुभाग-10 **लखनऊः दिनांकः** 21-05-2026

विषयः उ0प्र0 राज्य कृषि आपदा प्रबन्धन योजना SADMP का परीक्षण एवं पुनरीक्षण Integrated Centre for Adaptation, Disasters Risk - Resilience and Sustainability (ICARS) IIT Roorkee, Greater Noida Campus (NCR) के माध्यम से कराये जाने हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-22/कृषि/2026-27, दिनांक 06.04.2025 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 में उ0प्र0 राज्य कृषि आपदा प्रबन्धन योजना SADMP का परीक्षण एवं पुनरीक्षण Integrated Centre for Adaptation, Disasters Risk-Resilience and Sustainability (ICARS) IIT Roorkee, Greater Noida Campus (NCR), के माध्यम से संचालित किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति पर समर्पित की गयी धनराशि रू0 40,000/- का पुनः धनावंटन राज्य आपदा मोचक निधि की कैपिसिटी बिल्डिंग मद से किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- अतः उक्त के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अप्रेजल समिति की बैठक दिनांक 06.05.2025 में प्राप्त संस्तुति के क्रम में राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 22-05-2025 में प्राप्त अनुमोदन के दृष्टिगत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उ0प्र0 राज्य कृषि आपदा प्रबन्धन योजना SADMP का परीक्षण एवं पुनरीक्षण के सम्बन्ध में Integrated Centre for Adaptation, Disasters Risk - Resilience and Sustainability (ICARS) IIT Roorkee, Greater Noida Campus (NCR) के माध्यम से संचालित की गयी योजना के अन्तर्गत कराये गये कार्यों के लम्बित भुगतान हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य आपदा मोचक निधि की प्रपेयर्डनेस एवं कैपेसिटी बिल्डिंग मद-11 से धनराशि **रू0 40,000/- (रू0 चालीस हजार मात्र)** की वितीय स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 राज्य आपदा

प्रबन्धन प्राधिकरण के निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदया सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है:-

<u>नियम व शर्तें/प्रतिबंध-</u>

(1) प्रश्नगत परियोजना/प्रकरण में उपरोक्त धनराशि रू0 40,000/- वित्तीय वर्ष 2025-26 में कराये गये कार्यों के लम्बित भुगतान हेतु आवंटित की गयी है। प्रश्नगत परियोजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 में संचालन एवं उक्त हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में किसी भी देनदारी का भुगतान राज्य कार्यकारिणी समिति से मंजूरी/अनुमोदन प्राप्त किये जाने के उपरान्त किया जायेगा।

(2) राज्य आपदा मोचक निधि की उक्त धनराशि का उपयोग गृह मंत्रालय (आपदा प्रबन्धन प्रभाग), भारत सरकार के पत्र संख्या-33-02/2020-NDMA-1, दिनांक 22.04.2022 द्वारा निर्गत गाइडलाइन के अनुसार किया जायेगा। उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि गाइडलाइन के किन्हीं निर्देशों का उल्लंघन न होने पाये।

(3) राज्य आपदा मोचक निधि के क्षमता निर्माण मद से स्वीकृत धनराशि का उपभोग वितीय नियमों के अनुसार तथा वितीय हस्त-पुस्तिका/बजट मैनुअल के अनुसार किया जायेगा।

(4) जिस मद में धनराशि स्वीकृति की जा रही है, उसी मद में इस धनराशि का उपयोग किया जायेगा, किसी अन्य मद में धनराशि का डायवर्जन नहीं किया जायेगा।

(5) क्षमता निर्माण मद से निर्गत की जा रही धनराशि का उपयोग मानदेय/वेतन/ईधन/मरम्मत/अनुरक्षण में नहीं किया जायेगा एवं धनराशि के ऑडिट का दायित्व उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का होगा।

(6) समस्त धनराशि का उपभोग दिनांक 31.03.2027 से पूर्व कर लिया जायेगा। यदि धनराशि अवशेष बचती है, तो नियमानुसार दिनांक 31.03.2027 के पूर्व समर्पित कर दी जायेगी।

(7) जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।

(8) उक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र वित्तीय हस्त-पुस्तिका खण्ड-5, भाग-1 के प्रस्तर-369 एच के अधीन निर्धारित प्रारूप संख्या-42 आई में शासन को तुरन्त उपलब्ध कराया जायेगा।

(9) व्यय की गयी धनराशि महालेखाकार कार्यालय में सही मदों में पुस्तांकन कराया जाये और प्रत्येक माह में महालेखाकार कार्यालय से आंकड़े समाधानित एवं सत्यापित कराकर शासन को सूचित किया जाये।

(10) राज्य आपदा मोचक निधि के सबध में समय-समय पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार

एवं एनडीएमए द्वारा जो भी दिशा-निर्देश/गाइडलाइन निर्गत किये गये है अथवा किये जायेंगे के अनुसार उक्त धनराशि का उपभोग की कार्यवाही समयबद्धरूप से सुनिश्चित की जायेगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय रू0 40,000/- (रू0 चालीस हजार मात्र) को चालू वितीय वर्ष 2026-2027 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या 051 लेखा शीर्षक 2245-05-800-06-11 स्टेट डिजास्टर रिस्पांश फण्ड से सामान्य व्यय-42 अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-4/2026/बी-1-812/दस-2026-231/2026, दिनांक 28 मार्च, 2026 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

Digitally signed by
KULDEEP SINGH
Date: 21-05-2026
17:24:32

(कुलदीप सिंह)

उप सचिव।

संख्या:-390(1)/एक-10-2026, तददिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार प्रथम/आडिट प्रथम, उ0प्र0, प्रयागराज।

2- राहत आयुक्त, उ0प्र0, लखनऊ।

3- विशेष सचिव/नोडल अधिकारी, बजट आवंटन (ई-बजट), राजस्व विभाग, उ0प्र0 शासन।

4- वरिष्ठ, वित्त एवं लेखाधिकारी, राहत आयुक्त संगठन, उ0प्र0।

5- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।

6- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-5।

7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

Digitally signed by
SUSHIL KUMAR
Date: 21-05-2026
17:44:58

(सुशील कुमार)

अनु सचिव।

Allotment Grid Report

वित्तीय वर्ष:-2026-2027
आवंटन दिनांक-27/05/2026

प्रेषण संख्या:- 390
आवंटन आदेश संख्या:- 001-390
अनुदान संख्या:- 51 राजस्व विभाग (दैवी विपत्तियों के सम्बन्ध में राहत)(वित्तीय वर्ष 2026-2027 का आवंटन)
लेखाशीर्षक:- 2245 - प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत(आयोजनेत्तर-मतदेय)
05 - स्टेट डिजास्टर रेस्पान्स फण्ड
800 - अन्य व्यय
06 - स्टेट डिजास्टर रेस्पान्स फण्ड से व्यय (राज्यांश)
11 - स्टेट डिजास्टर रिस्पांश फण्ड से सामान्य व्यय

(धनराशि रु. में)

S.No.	अधिकारी/जनपद का नाम		42-अन्य व्यय	योग
1	जवाहर भवन, लखनऊ-6019-up state disaster management authority , lucknow-01-a	वर्तमान प्रगामी	40000 128895	40000 128895
	योग	वर्तमान प्रगामी	40000 128895	40000 128895

महायोग- (वर्तमान आवंटन):- रूपया चालीस हजार
महायोग- (प्रगामी आवंटन):- रूपया एक लाख अठाईस हजार आठ सौ पंचानवे

(संतोष कुमार)
वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी